Publication	**Rajasthan Patrika**	**Language**	Hindi
Edition	New Delhi	**Journalist**	Bureau
Date	11/02/2025	**Page no**	8
CCM	38.19		

Cooperative societies will promote organic farming in the state and will also buy and sell the products

किसानों को जैविक खेती की प्रशिक्षण देंगी पैक्स

प्रदेश में जैविक खेती को बढ़ावा देंगी सहकारी समितियां, उत्पादों की खरीदी-बिक्री भी करेंगी

पत्रिका अभियान उगाइए खाइए ऑर्गेनिक

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. प्रदेश में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियां- पैक्स जैविक खेती को बढ़ावा देने का काम भी करेंगी। केंद्र की सहकारिता से समृद्धि योजना के तहत पैक्स को बहुउद्देश्यीय बनाने की प्रक्रिया चल रही है। इसके तहत प्रदेश में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए इनका उपयोग किया जाएगा। सदस्य न केवल खुद जैविक खेती करेंगे बल्कि अन्य किसानों को भी लिए प्रेरित करेंगे। समितियां उत्पादों की खरीदी-बिक्री भी करेंगी। इससे उन्हें जैविक फसलें बेचने में परेशानी नहीं होगी। पैक्स शहरों में जैविक उत्पादों के स्टोर खोलेंगी, ताकि लोगों को जैविक उत्पाद आसानी से मिल सकें।

रकबा दोगुना करने का लक्ष्य

प्रदेश में अभी जैविक खेती का रकबा लगभग 17 लाख हेक्टेयर है। जैविक उत्पादन भी लगभग 20 लाख है। इसे और विस्तार देने के लिए सरकार ने जैविक कृषि को प्रोत्साहित करने कृषि, उद्यानिकी के साथ सहकारिता विभाग को जोड़ा है। सरकार जैविक खेती का रकबा दोगुना करना चाहती है। इसका निर्यात भी बढ़ाना चाहती है।

प्रदेश में अभी 4,536 प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियां हैं। इनसे 50 लाख किसान जुड़े हैं। इसे देख समितियों को राज्य जैविक सहकारी महासंघ का सदस्य बनाया जा रहा है। समिति के सदस्यों की संख्या भी बढ़ाई जाएगी। सहकारिता आयुक्त मनोज पुष्प के अनुसार समितियां किसानों को जैविक खाद-बीज उपलब्ध कराएंगी। किसानों को जैविक खेती का प्रशिक्षण देंगी। उत्पाद की ब्रांडिंग और मार्केटिंग का काम भी देखेंगी। अभी सबसे बड़ी समस्या जैविक उत्पाद के विपणन की है। यही कारण है कि किसान जैविक खेती करने से बचते हैं। समितियां उन्हें बाजार उपलब्ध कराएंगी। खुद भी उत्पाद खरीदेंगी। कुछ समितियों को जैविक खाद बनाने के काम में भी लगाया जाएगा। इसके लिए गोबरधन योजना से जोड़ा जा रहा है। पशुपालन विभाग गोशालाओं में गोबर, गोमूत्र खरीदने और खाद बनाने की योजना पर काम कर रहा है।

****

Downloaded from
SAMVAD